एनआईसी
National Informatics Centre

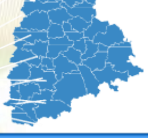

सांकेतिक श्रवंति
సాంకేతిక స్రవంతి

एनआईसी तेलंगाना फोकस : सेवाएँ, सूचना एवं पहल

एनआईसी तेलंगाना त्रैमासिक डिजिटल न्यूज़लेटर | खंड संख्या: 01 | अंक संख्या: 03 | अक्टूबर 2025

माननीय मंत्री श्रीमती कोंडा सुरेखा ने 31/07/2025 को बंदोबस्ती विभाग के लिए ई-ऑफिस 7.x प्रणाली का आधिकारिक शुभारंभ किया।

मंत्री ने कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली की शुरुआत प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस प्रणाली से फाइलों का त्वरित और बिना किसी अनावश्यक देरी के निपटान आसान हो जाएगा। चूंकि सब कुछ डिजिटल रूप से ट्रैक किया जाता है, इसलिए कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच कोई भ्रम नहीं होगा। ""अब किसी भी स्थान से, किसी भी समय, कार्यालय में भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता के बिना फाइलों को निपटान किया जा सकता है। अत्यावश्यक फाइलों को भी अलग से चिह्नित किया जा सकता है ताकि उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता मिले। जल्द ही धर्मस्व विभाग यादगिरी गुट्टा और राज्य भर के 30. अन्य मंदिरों में भी यही सेवाएँ प्रदान करेगा। फ़ाइल संचलन में पीए और सीसी जैसे मध्यस्थों का प्रभाव काफी कम हो जाएगा।.

सुश्री सौधामिनी श्रीनिवासन, वैज्ञानिक-एफ, एनडीसी, हैदराबाद को संपन्न डीआर ड्रिल के दौरान उत्कृष्ट योगदान के लिए दूरसंचार विभाग के श्री जी संदीप कुमार गौड़ ने प्रशंसा अभिव्यक्त की है।

दूरसंचार विभाग के संचार लेखा महानियंत्रक, उप सीजीसीए (बीए एवं आईटी) ने एनडीसी, हैदराबाद डीआर साइट से संपन्न पोर्टल के एक पूरे सप्ताह तक सुचारू संचालन की सराहना की, जिसके बाद डीआर अभ्यास गतिविधि के एक भाग के रूप में एसपीडीसी, नई दिल्ली स्थित प्राथमिक साइट पर निर्बाध, शून्य-घटना फेलबैक किया गया। यह अनुकरणीय निष्पादन श्रीमती एस. सौधामिनी की असाधारण तकनीकी विशेषज्ञता, सावधानीपूर्वक योजना और सटीक परिचालन समन्वय को दर्शाता है।.

श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ तेलंगाना और न्यायिक सूचना विज्ञान टीम ने कोर्ट केस मॉनिटरिंग सिस्टम पर विचार-विमर्श किया|

दिनांक 07-08-2025 को सचिवालय में मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं विधि सचिव की अध्यक्षता में कोर्ट केस मॉनिटरिंग सिस्टम एप्लीकेशन पर विचार-विमर्श किया गया। एनआईसी. टीजीएससी न्यायिक सूचना विज्ञान टीम ने एसआईओ, तेलंगाना के साथ चर्चा में भाग लिया, जिसमें एनआईसी बिहार और एनआईसी तमिलनाडु द्वारा अपने इन-हाउस वेब अनुप्रयोगों का प्रदर्शन करते हुए तकनीकी प्रस्तुतियां भी शामिल थीं।

साइबराबाद पुलिस ने अपनी नई डिज़ाइन की गई आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च की

https://cyberabadpolice.gov.in

साइबराबाद पुलिस ने पारदर्शिता बढ़ाने और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण को मजबूत करने के लिए अपनी नई डिज़ाइन की गई आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च की है, जिसमें वास्तविक समय सामग्री अपडेट, आधुनिक यूआई/यूएक्स और मोबाइल-अनुकूल डिज़ाइन, डेस्कटॉप और टैबलेट उपकरणों पर उपयोग के लिए अनुकूलित इंटरफ़ेस, सभी आयु वर्ग के नागरिकों के लिए सुलभ और नेविगेट करने में आसान और घोषणाओं, अलर्ट, सुरक्षा दिशानिर्देशों जैसी सूचनाओं को तुरंत अपडेट किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जनता को हमेशा सूचित किया जाए।.

श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ और एनआईसी टीम भू भारती ने राजस्व मंत्री, प्रमुख सचिव, पीडी सीएमआरओ और आयुक्त सर्वेक्षण रिकॉर्ड के साथ बैठक की।

एनडीसी हैदराबाद अब आईएसओ 27001:2022 प्रमाणित डेटा सेंटर है।

आईएसओ प्रमाणन, एनडीसी हैदराबाद की सूचना सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है और प्रमाणन प्रक्रिया के समन्वय में आईएसएम की महत्वपूर्ण भूमिका, साथ ही आईएसओ समिति के सदस्यों और आईसीटी अवसंरचना, नेटवर्क सुरक्षा, भंडारण, बैकअप, क्लाउड, वेबहोस्टिंग, भौतिक सुरक्षा और परिसंपत्ति प्रबंधन का प्रबंधन करने वाली मुख्य टीमों के. समर्पित योगदान का प्रमाण है। मार्गदर्शन और सहयोग के लिए श्री वी.टी.वी. रमना, उप-महानिदेशक एवं राज्य समन्वयक, श्री श्याम सुंदर, उप-महानिदेशक श्री आशीष विक्रम अस्थाना और श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ का विशेष धन्यवाद।

एनआईसीएसआई तेलंगाना को शीर्ष 3 योगदानकर्ता राज्य के लिए सम्मानित किया गया ।

तेलंगाना सरकार शीर्ष 3 योगदानकर्ता राज्य सरकार भागीदारों (दक्षिणी क्षेत्र) में से एक है। श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ और श्री ए. मारुति कुमार, महाप्रबंधक एनआईसीएसआई को एनआईसीएसआई के स्थापना दिवस की 30वीं वर्षगांठ पर 29/08/2025 को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

प्रमुख घटनाएँ एवं गतिविधियाँ

मेड्चल-मलकजगिरी जिले के 37 कनिष्ठ सहायकों के लिए 23 से 25 जुलाई 2025 तक एनआईसी, रंगा रेड्डी में दक्षता परीक्षा आयोजित की गई।

मेड्चल-मलकाजगिरी जिला कलेक्ट्रेट ने अनुकंपा नियुक्ति योजना के अंतर्गत मेड्चल-मलकाजगिरी जिले के विभिन्न विभागों में कनिष्ठ सहायक के रूप में नियुक्त कर्मचारियों के लिए. "कंप्यूटर और संबंधित सॉफ्टवेयर के उपयोग में कार्यालय स्वचालन में दक्षता" विषय पर एक परीक्षा आयोजित की। परीक्षा के दौरान जिला सूचना अधिकारी श्री पी. राजशेखर और उनकी टीम उपस्थित थी।

30/07/2025 से 05/08/2025 तक विभिन्न विभागों के 130 नवनियुक्त टीजीपीएससी ग्रुप-IV कर्मचारियों के लिए नलगोंडा जिले के कलेक्ट्रेट परिसर में दक्षता परीक्षा का आयोजन

डॉ. एमसीआरएचआरडी क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, कलेक्ट्रेट परिसर, नलगोंडा में दक्षता परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। श्री गणपति राव, डीआईओ, श्री आदित्य नाइक, डीआईए और टीम जांच के दौरान मौजूद थी।

श्री गुंटुकु प्रसाद एसआईओ तेलंगाना ने अपनी टीम के साथ राज्य विभाग के अधिकारियों को संकेतिका श्रवणति जुलाई 2025 त्रैमासिक समाचार पत्र सौंपा।

भारतीय प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज, हैदराबाद में "सार्वजनिक खरीद और अनुबंध प्रबंधन" पर 5 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 22/09/2025 से 26/09/2025 तक

श्री गुंटुकु प्रसाद एसआईओ, तेलंगाना ने समापन दिवस पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। एसआईओ, तेलंगाना को एएससीआई अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा बीएसएनएल 4जी सेवाओं का शुभारंभ 27/09/2025 को विभिन्न जिलों में किया गया।

करीमनगर और रंगारेड्डी जिलों में आयोजित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) कार्यक्रम की 20वीं किस्त और सिकंदराबाद में 16वें रोज़गार मेले के दौरान एनआईसी तेलंगाना आईसीटी सहायता

वीआईपी दौरे

15/07/2025 को, डॉ. नेहा गर्ग, अतिरिक्त महानिदेशक, केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो, नई दिल्ली ने एनईओआर परियोजना के आपदा रिकवरी सेटअप के लिए तैनात हाइपर, कन्वर्ज्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर के ऑन-साइट निरीक्षण के लिए एनडीसी, हैदराबाद का दौरा किया।

18/07/2025 को जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के प्रमुख श्री बृजपाल सिंह ने एनआईसी हैदराबाद का दौरा किया और एसआईओ, एएसआईओ, एचओडी डीसी, एचओडी क्लाउड से मुलाकात की।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के पूर्व महानिदेशक प्रोफेसर श्री मोनी मदस्वामी ने कृषि विभाग के साथ जनजातीय कृषि पर बातचीत के संबंध में 28/08/2025 को एनआईसी तेलंगाना का दौरा किया।

डीआईओ/डीआईए मीट 2025 (11-12 सितंबर 2025) की मुख्य विशेषताएं

दो दिवसीय डीआईओ/डीआईए की बैठक एनआईसी तेलंगाना राज्य केंद्र, हैदराबाद में आयोजित की गई और इसमें श्री वीटीवी रमना, डीडीजी और राज्य समन्वयक, श्री आशीष विक्रम अस्थाना, डीडीजी और एचओजी डीसी नॉन-आईटी इंफ्रा डिवीजन, श्री गुंटुकु प्रसाद एसआईओ, तेलंगाना, एएसआईओ जिले, सभी एचओडी और जिलों के डीआईओ/डीआईए के साथ-साथ जिला समन्वयकों ने भाग लिया। विभागाध्यक्षों, डीआईओ/डीआईए और परियोजना प्रमुखों ने अपनी परियोजनाओं, जिला गतिविधियों पर प्रस्तुति दी, जिसमें ईऑफिस 7.x, कोलाबफाइल्स, साइबर सुरक्षा, एफएआरपीएस, वेब वीपीएन, आईसीटी इन्फ्रा ऑडिट, आईआरएडी/ईदार/सारथी, ई-मेल, गॉवड्राइव, ई-फॉर्म, वीसी सेवाएं, भू भारती और राज्य पीडीएस, एनजीसी क्लाउड, वेब होस्टिंग, एडमिन अकाउंट्स पीएफएमएस ई-बिल, ई-माइनिंग, एनआईसीएसआई की भूमिका, प्रजावाणी-सीपीजीआरएएमएस, राजभाषा हिंदी और एनकेएन, एसओसी, एनडीसी और एनओसी का दौरा शामिल था। डीडीओ और उनकी टीम ने प्रशासनिक नियमों पर प्रश्नोत्तरी आयोजित की और जिला अधिकारियों को पुरस्कार वितरित किए गए। पूरे दो दिवसीय कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री रवि बंडी और वैज्ञानिक-ई सुश्री स्वर्णलता गुंती ने किया।

प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण

पीएफएमएस ई-बिल दावों और भुगतान पर परिचयात्मक सत्र 17/07/2025 को आयोजित किया गया

एनआईसी तेलंगाना, एनआईसी आंध्र प्रदेश के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए श्री जॉन पीटर, एसओ और डीडीओ की देखरेख में प्रशासन और लेखा टीम द्वारा पीएफएमएस में ई- बिल दावों और भुगतान मॉड्यूल पर एक परिचयात्मक सत्र आयोजित किया गया।

केआईएमएस अस्पताल, सिकंदराबाद के सहयोग से एनआईसी तेलंगाना स्टाफ को जीवन रक्षक कौशल से सशक्त बनाने के लिए 11/08/2025 को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

सत्र का आयोजन कल्याण अधिकारी श्री रवि बंदी ने किया। इस सत्र का उद्देश्य वयस्कों, बच्चों और शिशुओं के लिए सीपीआर तकनीकों के साथ-साथ आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं और एक स्वचालित बाह्य डिफाइब्रिलेटर (एईडी) के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करके प्रतिभागियों के जीवन-रक्षक कौशल को बढ़ाना था। कार्यक्रम में हृदय संबंधी आपात स्थितियों के दौरान समय पर हस्तक्षेप के महत्व पर ज़ोर दिया गया, जिससे प्रतिभागी वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में प्रभावी और आत्मविश्वास से प्रतिक्रिया दे सकें।

7वीं अखिल भारतीय जेल ड्यूटी मीट 2025 9 से 11 सितंबर 2025 तक तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित की गई।

श्री अमगोथ स्वामीनाथ, वैज्ञानिक-सी को तेलंगाना के कारागार विभाग के लिए कंप्यूटर और प्रौद्योगिकी प्रतियोगिता के निर्णायक/मूल्यांकनकर्ता के रूप में नामित किया गया।

हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह तेलंगाना में - 29 सितम्बर 2025 को मनाया गया।

हिंदी समापन समारोह की अध्यक्षता के लिए एचओजी श्री अजय मधुकर जोशी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। मुख्य अतिथि डॉ. मुहम्मद काशिफ हुसैन ने चिकित्सा पद्धतियों पर एक प्रस्तुति दी और विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार भी वितरित किए।

विभिन्न परियोजनाओं पर समीक्षा बैठकें और प्रशिक्षण

14/08/2025 को परिवहन विभाग के संयुक्त परिवहन आयुक्तों एवं आरटीओ के साथ सारथी परियोजना पर समीक्षा बैठक आयोजित।

एनआईआईएमएच हैदराबाद में हिंदी में ई-ऑफिस प्रशिक्षण कार्यशाला।

भूविज्ञान और खनन विभाग में ई-ऑफिस प्रशिक्षण

निषेध एवं आबकारी विभाग में एनआईसी टीम प्रवर्तन विंग के अधिकारियों के साथ सॉफ्टवेयर आवश्यकताओं को अंतिम रूप देने के लिए एक सॉफ्टवेयर प्रदर्शन और समीक्षा बैठक।

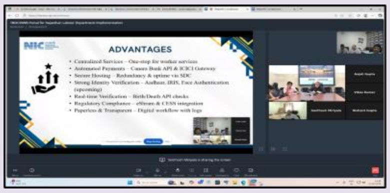

25/08/2025 को एनआईसी राजस्थान टीम के साथ टीबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यू पोर्टल का प्रदर्शन।

तेलंगाना राज्य परियोजना सलाहकार समिति ने विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की

ई-ऑफिस का प्रदर्शन डीन प्रो. श्री भीमार्जुन रेड्डी तम्मा (डिजिटल परिवर्तन) और आईआईटी हैदराबाद, तेलंगाना के विभाग प्रमुखों के समक्ष कार्यान्वयन के लिए किया गया।

तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव ने तेलंगाना के सभी विभागों में कार्यान्वयन के लिए अन्य सचिवों के साथ ई-ऑफिस पर एक बैठक सह डेमो लिया।

एनआईसी मुख्यालय में कर्मयोगी मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण में भाग लेते एनआईसी टीजी अधिकारी

एमसीएचआरडी एआई कार्यशाला में एनआईसी टीम। तेलंगाना की एआई टीम ने राज्य आईटीईसी अधिकारियों के साथ एआई के उपयोग के मामलों पर चर्चा की।

ई-माइनिंग परियोजना को तेलंगाना सरकार के खान एवं भूविज्ञान निदेशक, श्री के. शशांक, आईएएस द्वारा अत्यंत सराहनीय बताया गया।

तेलंगाना सरकार के खान एवं भूविज्ञान विभाग की आंतरिक आईटी टीम के साथ, एनआईसी के वैज्ञानिक-सी और उप निदेशक (आईटी) श्री रवि बंडी को ग्रेनाइट कटिंग और पॉलिशिंग इकाइयों के लिए ऑनलाइन स्लैब प्रणाली और सरकारी कार्यों के लिए शून्य परमिट के सफल विकास, कार्यान्वयन और प्रशिक्षण के माध्यम से परिचालन दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सराहना मिली है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह "नव भारत"

श्री के. राधा कृष्ण, अतिरिक्त एएसआईओ ने 15/08/2025 को स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया। श्रीमती अच्युता वेणु, एएसआईओ (जिला), श्री रैनिल जॉन, एएसआईओ (जिला), श्रीमती। कविता राव, वैज्ञानिक-एफ, अधिकारी, कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी उपस्थित थे।

श्री गणपति राव, डीआईओ, नलगोंडा को राज्य सड़क निर्माण और छायांकन मंत्री श्री कोमती रेड्डी वेंकट रेड्डी से प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। भद्राद्री-कोठागुडेम जिले के एनएफई और आईआरएडी डीआरएम को कृषि मंत्री श्री थुम्माला नागेश्वर राव और जिला कलेक्टर से प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। श्री ए. संतोष कुमार एनएफई, संगारेड्डी को श्री दामोदर राजनरसिम्हा, माननीय स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री और जिला कलेक्टर सुश्री पी प्रवीण्या, आईएएस, एसआरडी से प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। श्री पी. संदीप कुमार, सिद्दीपेट, एनएफई को जिला कलेक्टर श्रीमती के. हिमावती, आई.ए.एस. से प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

29/09/2025 को एच.एस.आई.सी., रेजिडेंट में आधार संवाद दिवस कार्यशाला का आयोजन किया

श्री गुंटुकु प्रसाद एसआईओ और अधिकारियों ने एचआईसीसी में आधार संवाद दिवस कार्यशाला में भाग लिया

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा समारोह 2025 और कार्यशाला सत्रों का उद्घाटन।

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा समारोह का उद्घाटन श्री अजय मधुकर जोशी, उप महानिदेशक द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में श्री के. राधा कृष्ण, एएसआईओ (राज्य), एनआईसी तेलंगाना के अधिकारि और कर्मचारि उपस्थित थे।

14 से 15 सितंबर, 2025 को गांधीनगर, गुजरात में हिंदी दिवस मनाया गया।

श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ तेलंगाना और समिति के सदस्य गांधीनगर में उपस्थित थे।

तेलंगाना में स्वच्छता ही सेवा (स्वच्छोत्सव) समारोह 17/09/2025 से 02/10/2025 तक मनाया गया।

कर्मचारी कॉर्नर

अगस्त 2025 में सेवानिवृत्ति हुए अधिकारी।

श्री शेख हफीसुद्दीन
वैज्ञानिक-एफ
तेलंगाना राज्य केंद्र
हैदराबाद

नवनियुक्त अधिकारियों का तेलंगाना में हार्दिक स्वागत।

श्री पुलापर्थी सुमंत
वैज्ञानिक-सी
तेलंगाना राज्य केंद्र हैदराबाद

श्री बुर्रा श्रीकांत
वैज्ञानिक तकनीकी सहायक-ए
जिला आदिलाबाद।

एनआईसी तेलंगाना ने दिवंगत श्री के राधा कृष्ण वैज्ञानिक-एफ एवं एएसआईओ को श्रद्धांजलि अर्पित कीया। (State)

अत्यंत दुःख और गहरे शोक के साथ, हम अपने सबसे वरिष्ठ अधिकारी, श्री के राधा कृष्ण, वैज्ञानिक एफ और एएसआईओ स्टेट के आकस्मिक निधन की खबर साझा करते हैं, जिन्होंने 20 सितंबर 2025 की शाम को अप्रत्याशित रूप से हमें छोड़ दिया। उनके जाने से संगठन में और उन सभी के दिलों में एक अपूरणीय शून्य पैदा हो गया है जो उन्हें जानते थे।

तकनीकी अंतर्दृष्टि।

कृत्रिम सामान्य बुद्धिमत्ता (AGI)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक रूप है जो संज्ञानात्मक कार्यों की एक विस्तृत श्रृंखला में मानव बुद्धिमत्ता से मेल खाता है या उससे आगे निकल जाता है। वर्तमान कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विपरीत, जो मुख्यतः "संकीर्ण AI" है और छवि पहचान या शतरंज खेलने जैसे विशिष्ट क्षेत्रों तक ही सीमित है, AGI मनुष्यों की बहुमुखी प्रतिभा, अनुकूलनशीलता और सामान्य तर्क क्षमताओं का प्रतीक है। इसकी मुख्य विशेषताओं में मनुष्यों के समान, विभिन्न प्रकार के कार्यों में अपनी बुद्धिमत्ता को समझने, सीखने और लागू करने की क्षमता शामिल है।

प्रमुख विशेषताएँ
बहुमुखी प्रतिभा: एक AGI कोई भी बौद्धिक कार्य कर सकता है जो एक मानव कर सकता है, जिसमें वे कार्य भी शामिल हैं जिनके लिए उसे मूल रूप से प्रशिक्षित नहीं किया गया था। यह क्षमता आज के AI से कहीं आगे जाती है, जो केवल पूर्वनिर्धारित कार्यों में ही उत्कृष्टता प्राप्त करता है।

अनुकूलनशीलता: AGI प्रणालियाँ अनुभव से सीख सकती हैं, पूर्व ज्ञान को नए परिदृश्यों में लागू कर सकती हैं और नवीन या अस्पष्ट समस्याओं को कुशलतापूर्वक संभाल सकती हैं, ठीक वैसे ही जैसे मनुष्य करते हैं।

सामान्य समझ: इन प्रणालियों में सामान्य ज्ञान तर्क, अमूर्तन और विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान के हस्तांतरण की क्षमता होती है, जो नई और अनदेखी परिस्थितियों के अनुकूल होती हैं।

आत्म-सुधार: AGI समय के साथ अपने कौशल, रणनीतियों और क्षमताओं को स्वायत्त रूप से बढ़ा सकता है।

सामान्य ज्ञान तर्क: उनके पास तथ्यों, संबंधों और सामाजिक मानदंडों सहित दुनिया की व्यापक समझ होगी, जिससे वे तर्क कर सकेंगे और सूचित निर्णय ले सकेंगे।

लाभ और जोखिम
AGI परिवर्तनकारी अनुप्रयोगों का वादा करता है: यह मानव जैसी अंतर्दृष्टि और दक्षता को बड़े पैमाने पर लागू करके स्वास्थ्य सेवा, जलवायु परिवर्तन, रसद आदि में जटिल समस्याओं का समाधान कर सकता है। तथापि संभावित जोखिम अभिप्रायपूर्ण हैं।

वर्तमान स्थिति और अनुसंधान
एजीआई एक सैद्धांतिक अवधारणा और एआई अनुसंधान का एक दीर्घकालिक लक्ष्य है और वर्तमान में अस्तित्व में नहीं है। हालाँकि कुछ उन्नत एआई मॉडल सामान्यीकरण के शुरुआती संकेत दिखाते हैं, लेकिन किसी भी प्रणाली ने मानव-स्तरीय संज्ञानात्मक व्यापकता या अनुकूलनशीलता का प्रदर्शन नहीं किया है, एजीआई प्राप्त करना एक जटिल चुनौती है जिसके लिए अंतःविषय सहयोग और तंत्रिका विज्ञान तथा संज्ञानात्मक मनोविज्ञान जैसे क्षेत्रों में और अधिक सफलताओं की आवश्यकता है। ओपनएआई, डीपमाइंड, गूगल और मेटा सहित इस क्षेत्र के प्रमुख खिलाड़ी सक्रिय रूप से एजीआई पर शोध कर रहे हैं और एआई के साथ संभावनाओं की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए अनुसंधान और विकास में भारी निवेश कर रहे हैं।

संभावित अनुप्रयोग और प्रभाव:
- एजीआई के विकास में स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा से लेकर वैज्ञानिक खोज और समस्या-समाधान तक, जीवन के विभिन्न पहलुओं में क्रांति लाने की क्षमता है।
- हालांकि, यह नैतिक और सामाजिक विचारों को भी उठाता है, जैसे कि रोजगार और व्यवसाय पर संभावित प्रभाव और जिम्मेदार विकास और तैनाती की आवश्यकता।

एन. कविता
वैज्ञानिक डी / संयुक्त निदेशक (आईटी)
n.kavitha@nic.in

संपादकीय समिति
अच्युता वेणु नहृय, वैज्ञानिक-एफ एवं ए एस आई ओ राज्य
गोवर्धन श्रीकांत, वैज्ञानिक-एफ
एन सोधामिनी वैज्ञानिक-एफ
एस. श्रीनिवास राव, वैज्ञानिक-ई

आयोजन एवं समन्वय समिति
रैनिल जॉन, वैज्ञानिक-एफ एवं ए एस आई ओ जिला
रवि बंदी, वैज्ञानिक-सी
बी. सीता महालक्ष्मी, वैज्ञानिक-सी
एम. प्रतिभा रेड्डी, वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-बी

040-23494150 sio-tg@nic.in https://tg.nic.in